RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

मानव भूगोल

विश्व जनसंख्या

अध्याय-2 | भाग-3



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 प्रवास के प्रकार

2 प्रवास को प्रभावित करने वाले कारक

3 जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(1) भारत
(2) चीन
(3) U.S.A
(4) इण्डोनेशिया
(5) पाकिस्तान
(6) नाइजीरिया
(7) ब्राजील
(8) बांग्लादेश।

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक -

① भौतिक कारक → धरातल, जलवायु, मृदा

② आर्थिक कारक

③ धार्मिक कारक

→ जनसंख्या घनत्व

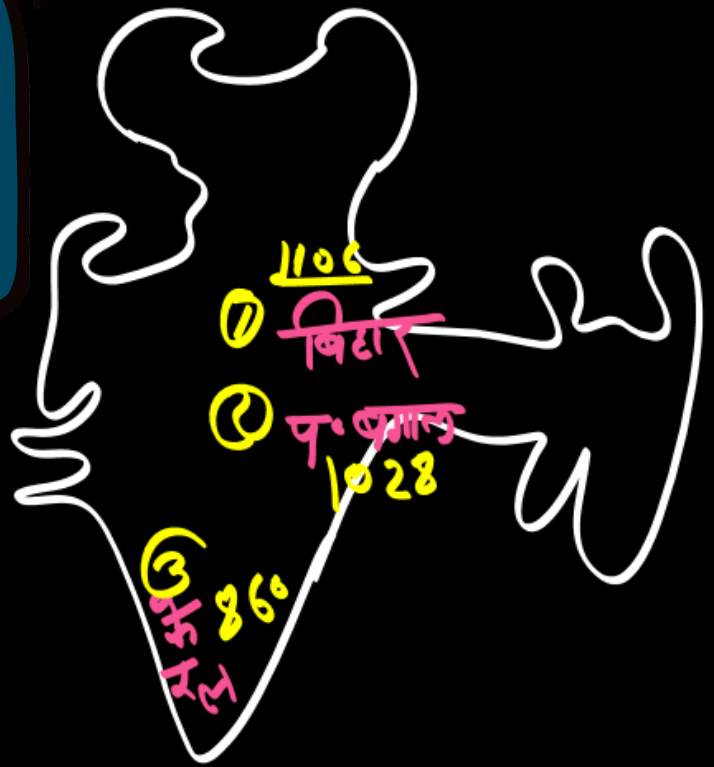


नगरीकरण
औद्योगिकरण
खनिज संसाधन

→ प्रति $1 km^2$ में निवास करने वाली जनसंख्या के घनत्व को जनघनत्व कहते हैं।

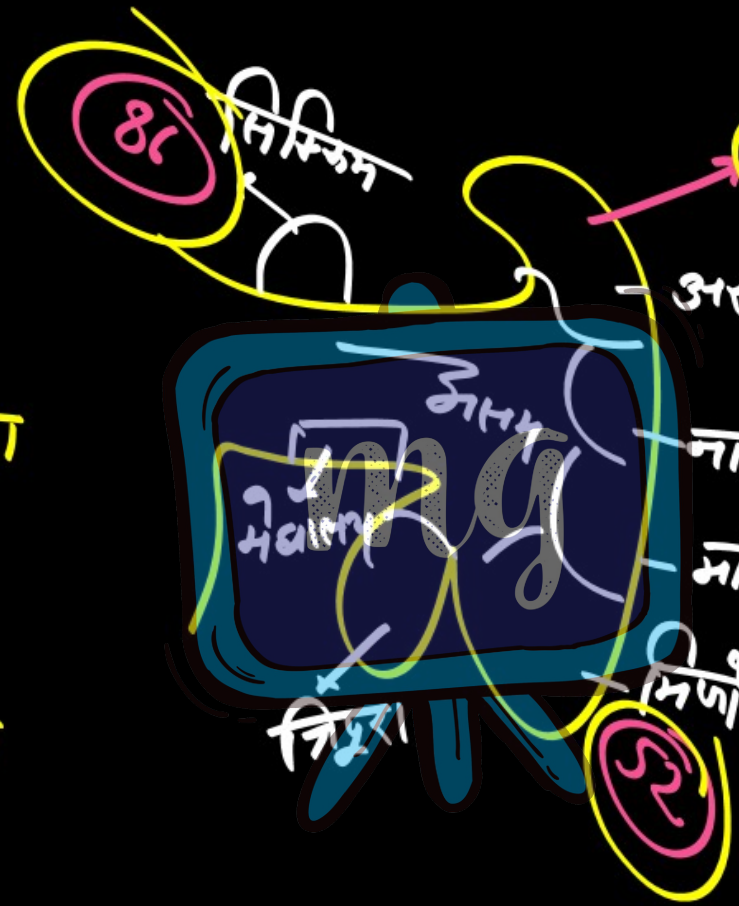
भारत का जनघनत्व - 382

राजस्थान का जनघनत्व - 200



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



न्यू. जनसंख्या
① सिक्किम
② मिजोरम
③ अरुणाचलप्रदेश।

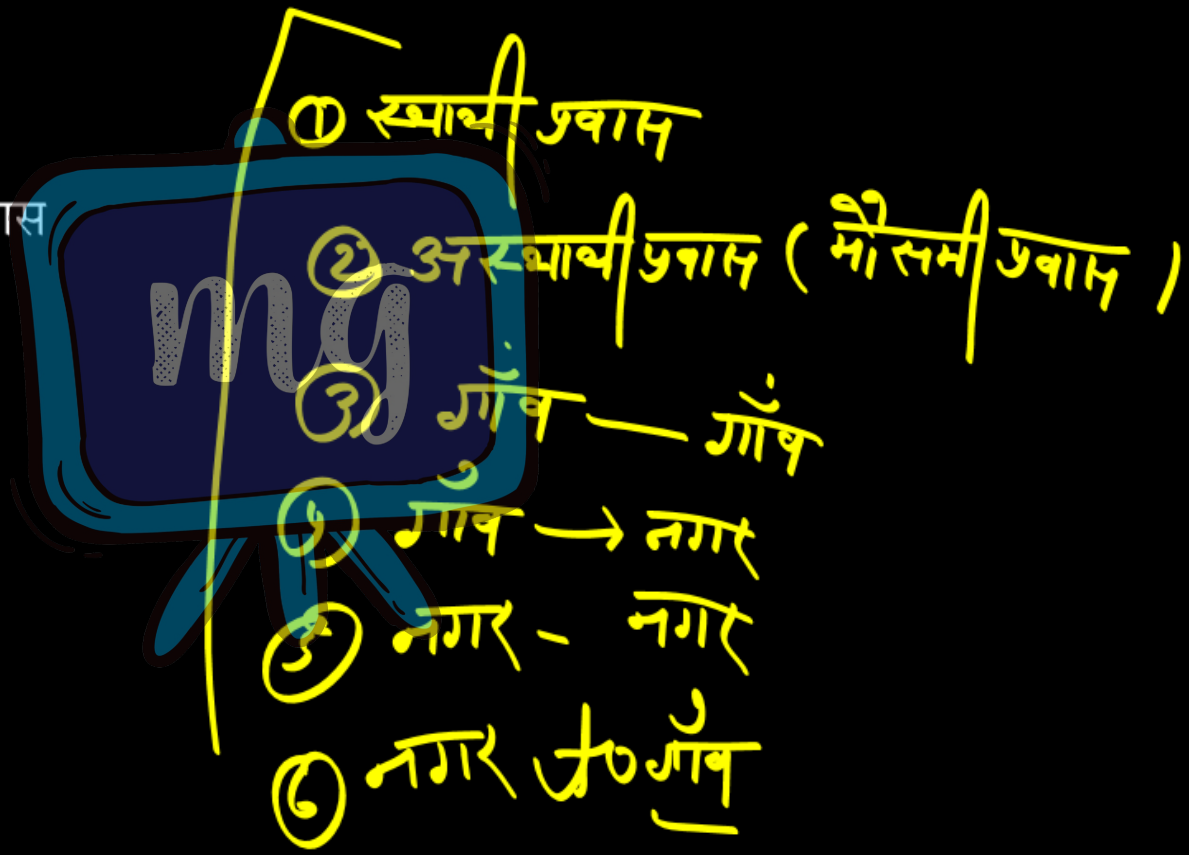
स्वविधि जन.
① उत्तरप्रदेश
② महाराष्ट्र
③ बिहार
④ W.B

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रवास के प्रकार

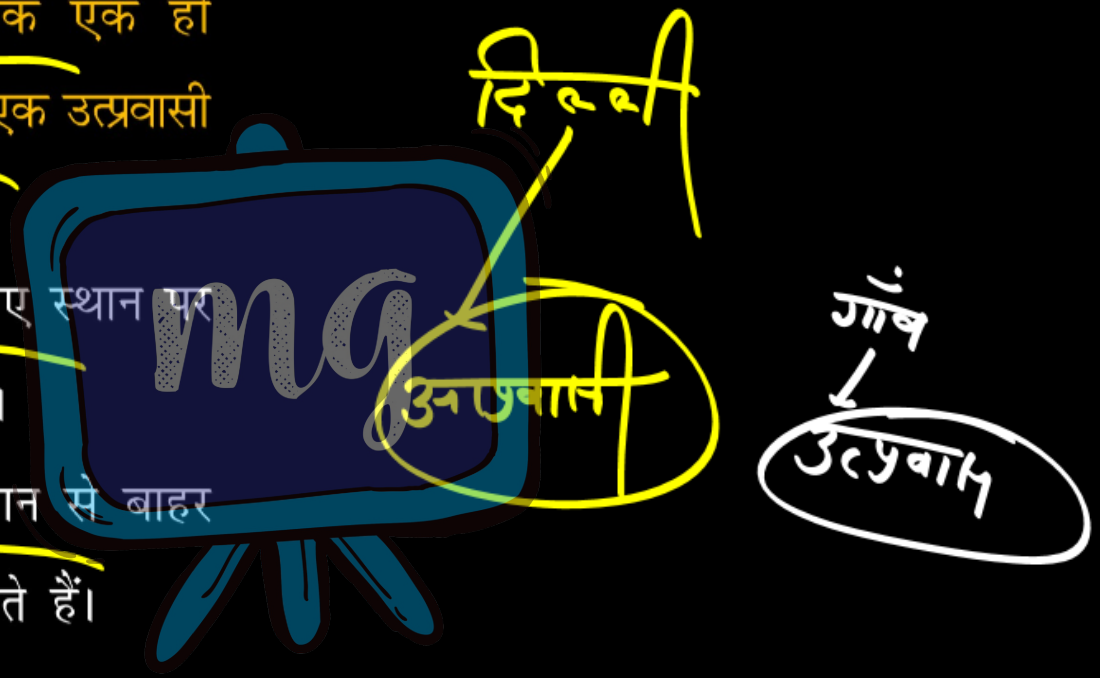
- स्थायी प्रवास
- अस्थायी प्रवास या मौसमी प्रवास
- गाँव से गाँव प्रवास
- गाँव से नगर प्रवास
- नगर से नगर प्रवास
- नगर से गाँव प्रवास



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

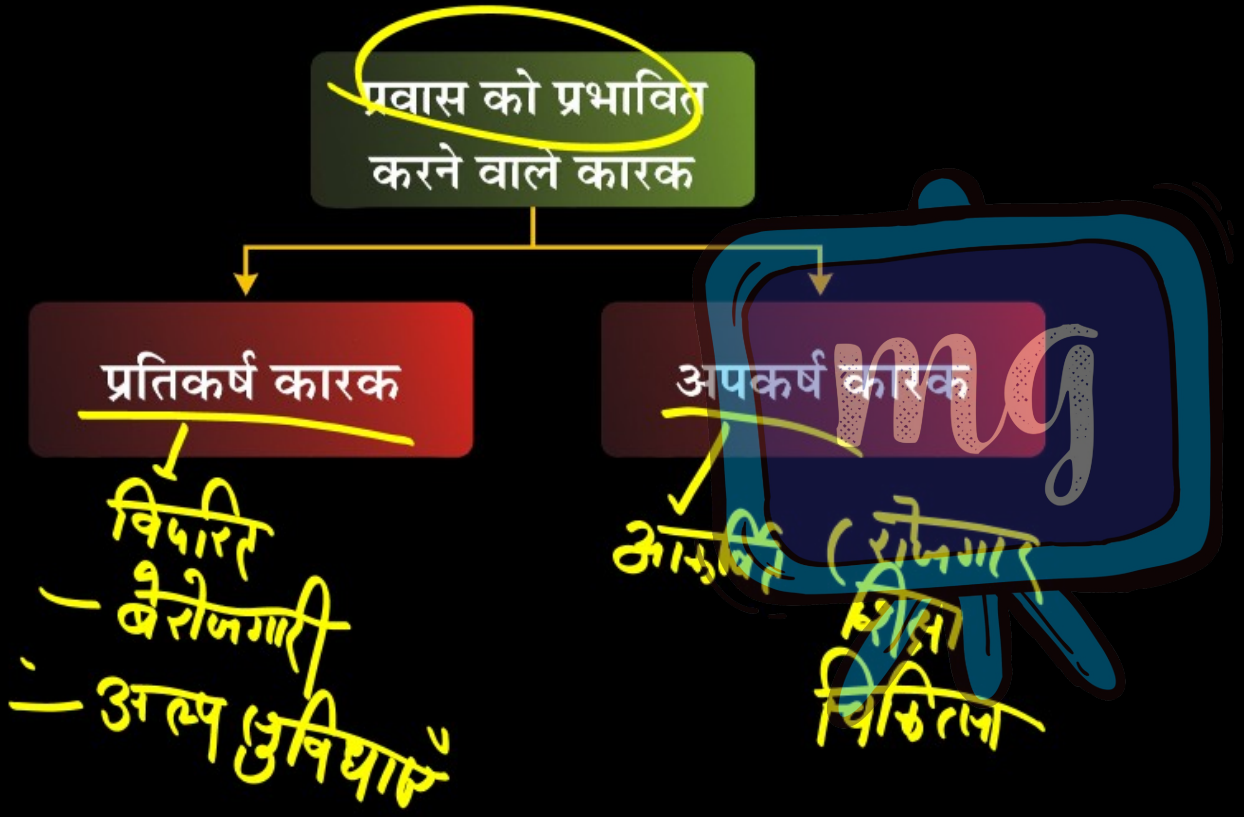
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- क्या आप महसूस करते हैं कि एक ही व्यक्ति दोनों एक आप्रवासी और एक उत्प्रवासी हो सकता है?
- आप्रवास- प्रवासी जो किसी नए स्थान पर जाते हैं, आप्रवासी कहलाते हैं।
- उत्प्रवास- प्रवासी जो एक स्थान से बाहर चले जाते हैं, उत्प्रवासी कहलाते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

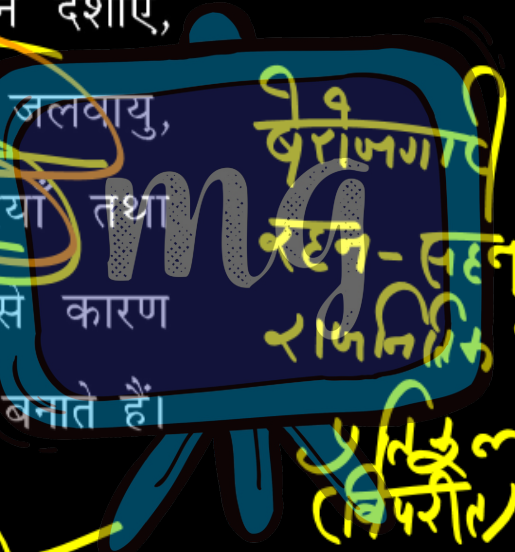


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रतिकर्ष कारक

- बेरोज़गारी, रहन-सहन की निम्न दशाएँ, राजनीतिक अशांति, प्रतिकूल जलवायु, प्राकृतिक विपदाएँ, महामारियाँ तथा सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन जैसे कारण उद्गम स्थान को कम आकर्षित बनाते हैं।

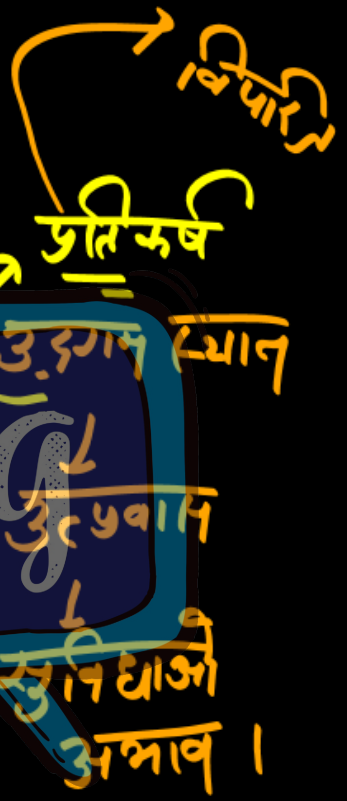


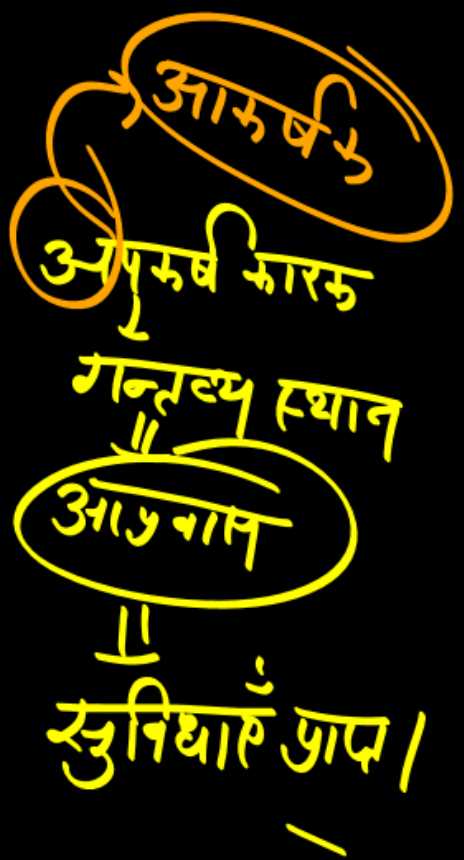
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपकर्ष कारक

- काम के बेहतर अवसर और रहन-सहन की अच्छी दशाएँ, शांति व स्थायित्व, जीवन व संपत्ति की सुरक्षा तथा अनुकूल जलवायु जैसे कारण गंतव्य स्थान को उद्गम स्थान की अपेक्षा अधिक आकर्षक बनाते हैं।

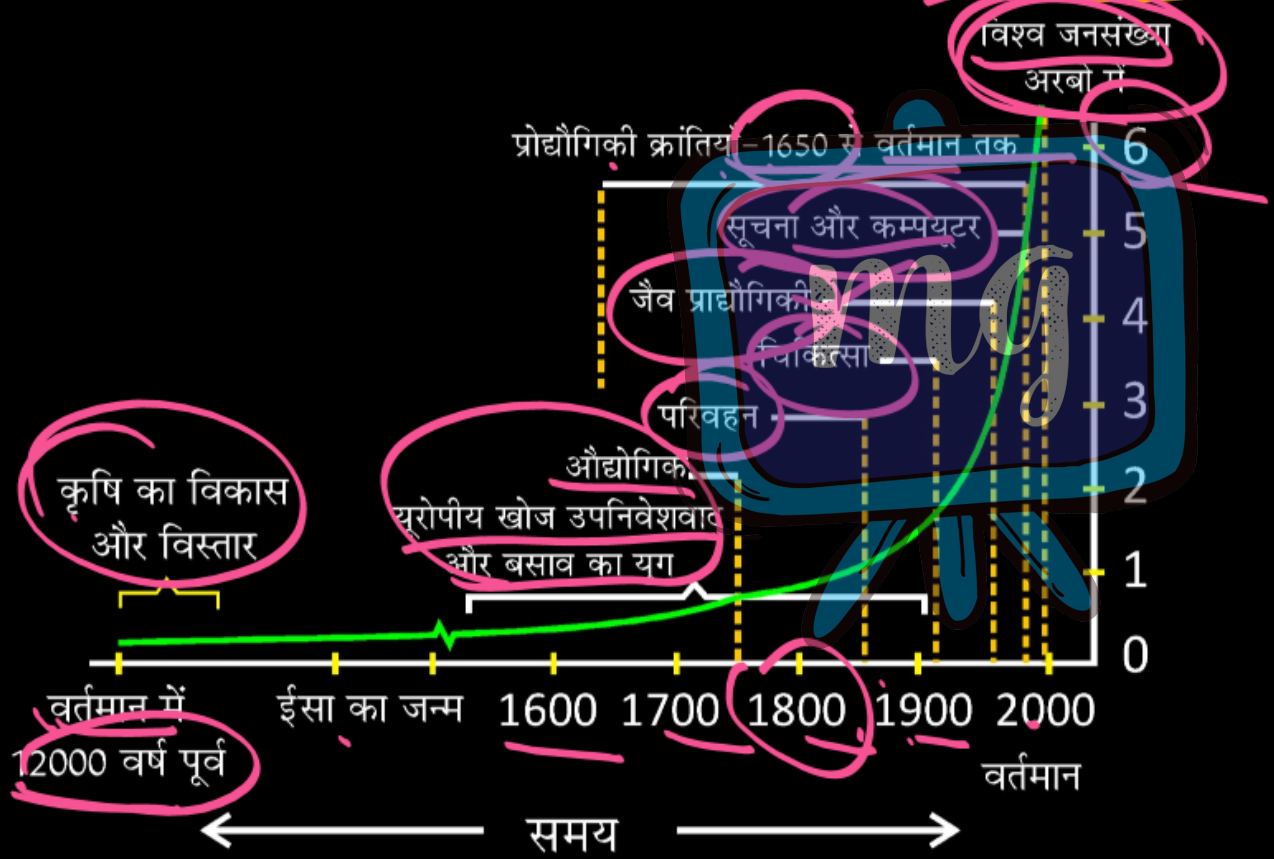




RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

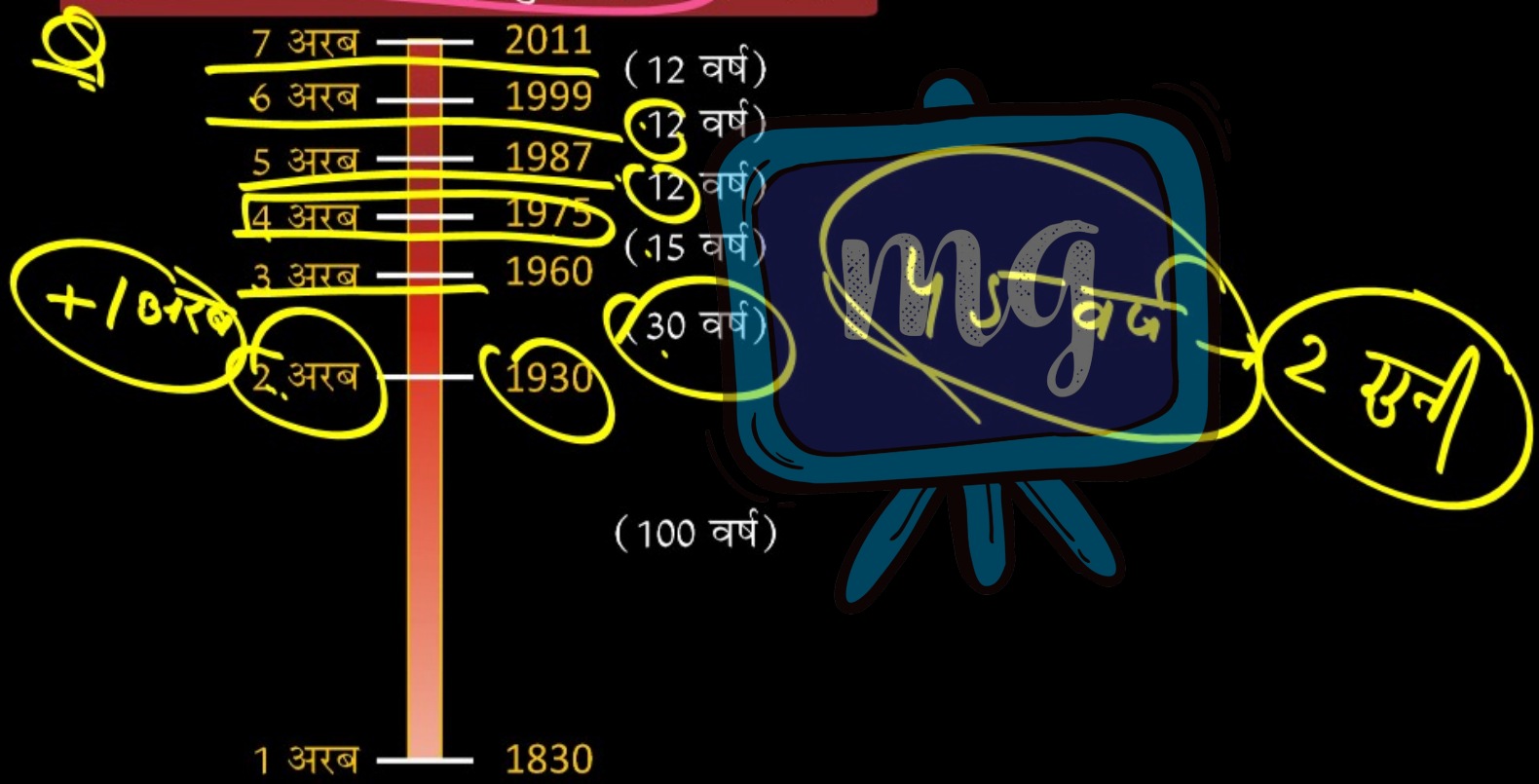
जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्तियाँ



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व जनसंख्या के दो गुना होने की अवधि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व जनसंख्या के दो गुना होने की अवधि

काल	जनसंख्या	अवधि जिसमें जनसंख्या दो गुना हुई
10, 000 ई॰ पू॰	50 लाख	
1650 ई॰	50 करोड़	1500 वर्ष
1804 ई॰	100 करोड़	154 वर्ष
1927 ई॰	200 करोड़	123 वर्ष
1974 ई॰	400 करोड़	47 वर्ष
2025 ई॰	800 करोड़ प्रक्षेपित संख्या	51 वर्ष

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

क्या आप जानते हैं ?

- विगत 500 वर्षों में मानव जनसंख्या 10 गुना से अधिक बढ़ी है।
- अकेले 20 वीं शताब्दी में जनसंख्या 4 गुना बढी है।
- प्रतिवर्ष लगभग 8 करोड़ लोग पहले की जनसंख्या में जुड़ जाते हैं।

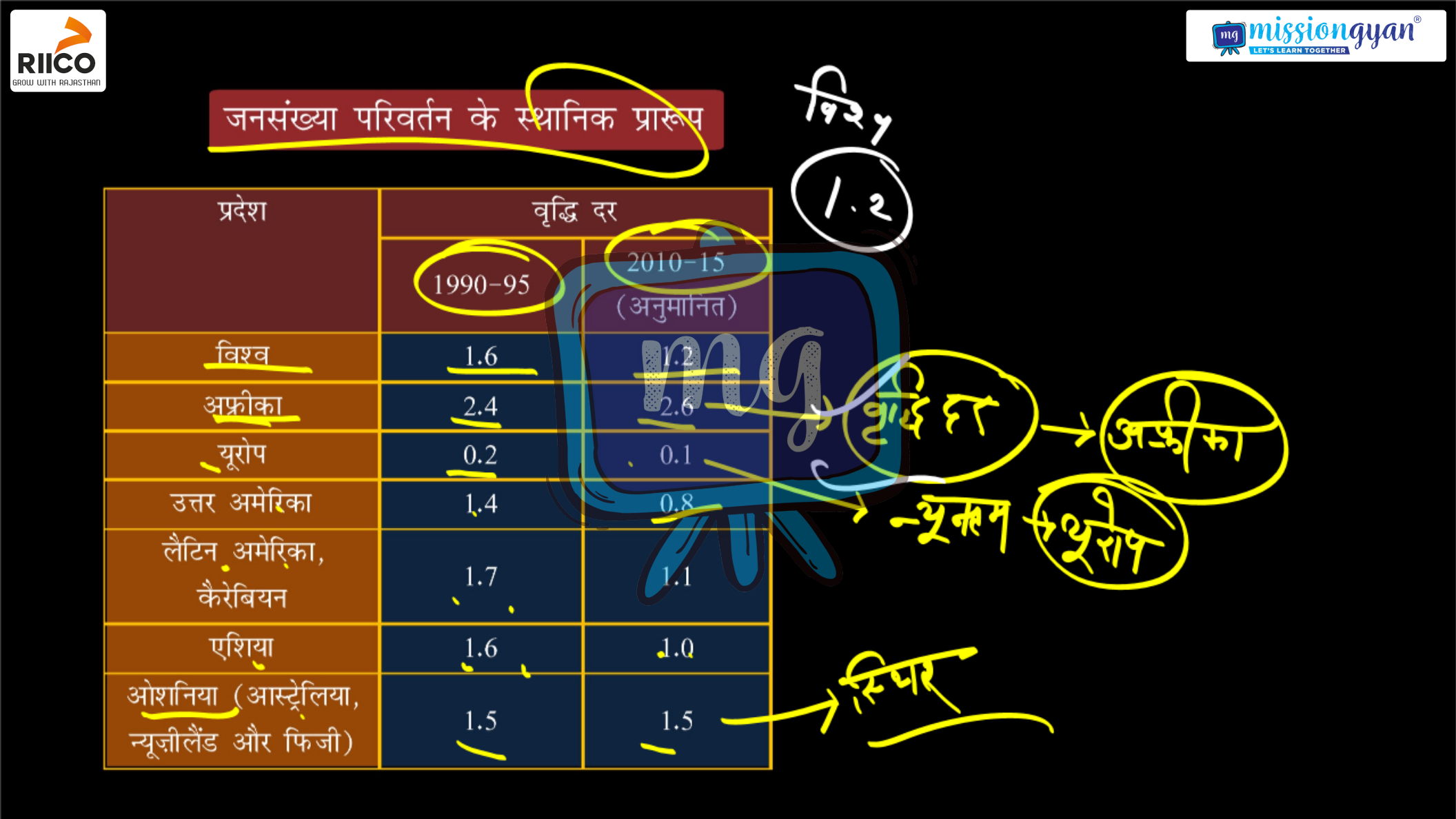


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

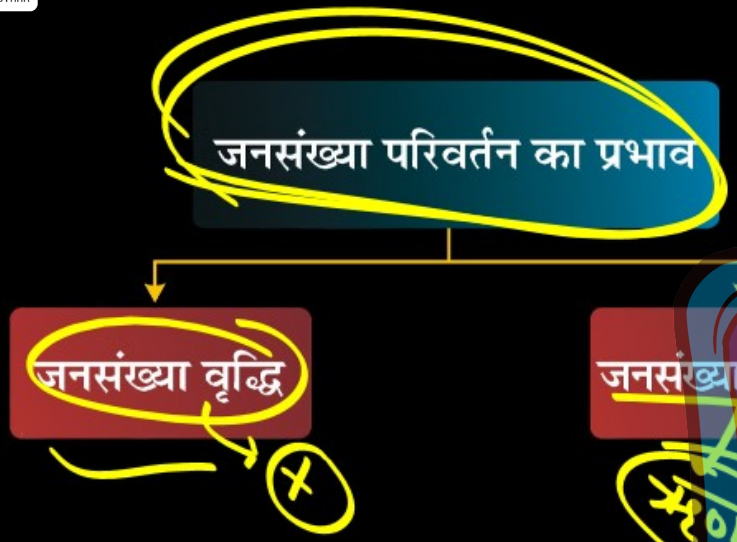
जनसंख्या परिवर्तन के स्थानिक प्रारूप

प्रदेश	वृद्धि दर	
	1990–95	2010–15 (अनुमानित)
विश्व	1.6	1.2
अफ्रीका	2.4	2.6
यूरोप	0.2	0.1
उत्तर अमेरिका	1.4	0.8
लैटिन अमेरिका, कैरेबियन	1.7	1.1
एशिया	1.6	1.0
ओशनिया (आस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और फिजी)	1.5	1.5



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



→ किसी स्थान पर निश्चित समयावधि में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते हैं।

ऋणात्मक

धनात्मक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त

- प्रतिपादक :- डब्ल्यू. एस. थॉम्पसन (1929) एवं नोटेंस्टीन (1945)
- जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत का उपयोग किसी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा भविष्य की जनसंख्या के पूर्वानुमान के लिए किया जाता है।

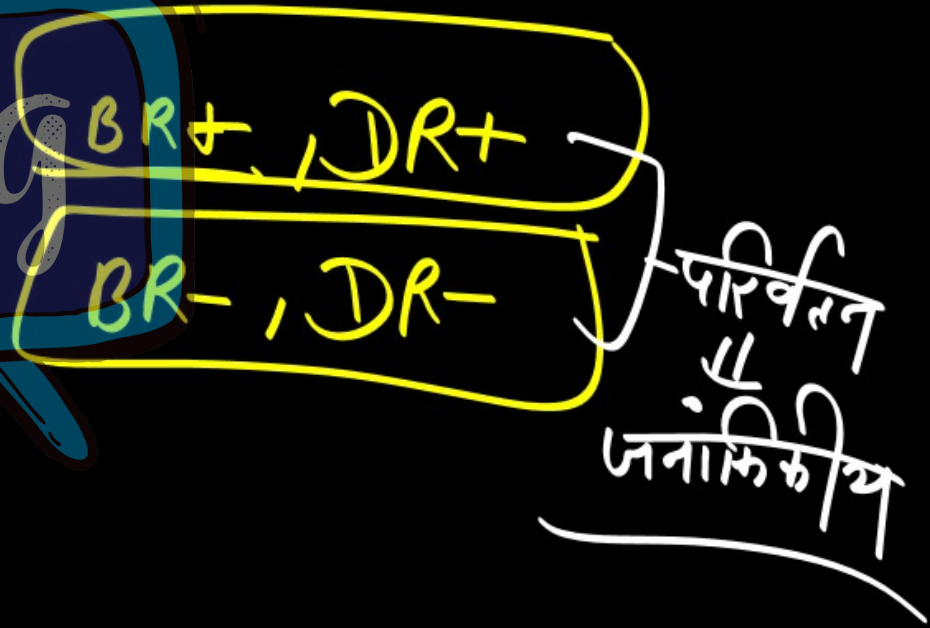
जनांकिकी → (डेमोग्राफी)
(जिसमें जनसंख्या का अध्ययन किया जाता है उसे जनांकिकी कहते हैं)
डब्ल्यू. एस. थॉम्पसन
थॉम्पसन व नोटेस्टीन

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस सिद्धान्त के अनुसार समाज ग्रामीण, खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय औद्योगिक और साक्षर बनता है तो किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म व निम्न मृत्यु में परिवर्तित होती है। ये परिवर्तन अवस्थाओं में होते हैं जिन्हें सामूहिक रूप से जनांकिकीय चक्र के रूप में जाना जाता है।

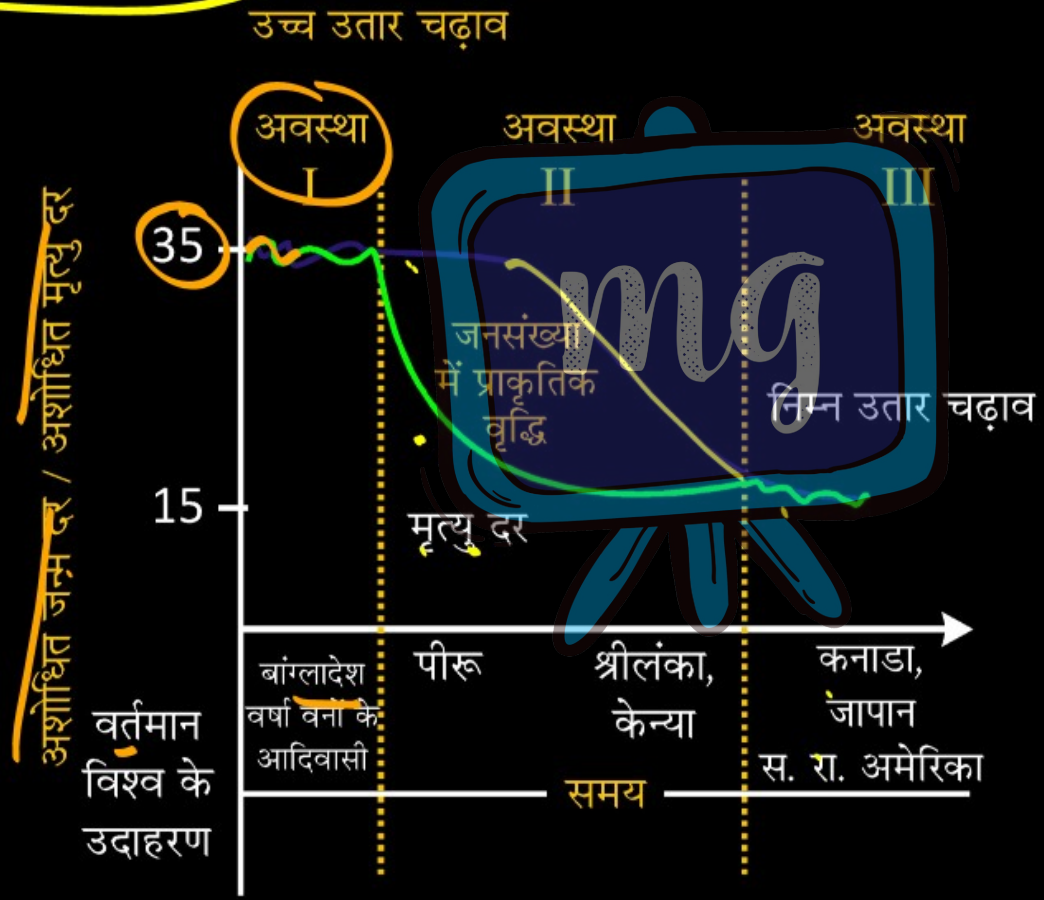


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत की अवस्थाएँ



	BR	DR
(1) प्रथम	+	+
(2) द्वितीय	+	−
(3) तृतीय	−	−

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत

अवस्था	जन्म दर	मृत्यु दर	उदाहरण
प्रथम अवस्था	+	+	बांग्लादेश
द्वितीय अवस्था	+	−	पेरू, श्रीलंका
तृतीय अवस्था	−	−	U.S.A, कनाड़ा

निम्न तकनीकी कृषि अर्थव्यवस्था

जनसंख्या विस्फोट वाली अवस्था

चिकित्सा सुविधा

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रथम अवस्था

BR+

+DR

- इस अवस्था में उच्च प्रजननशीलता और उच्च मर्त्यता अर्थात् उच्च जन्म-दर और उच्च मृत्यु-दर होती है; क्योंकि लोग महामारियों और भोजन की अनिश्चित आपूर्ति होने के कारण।
- इसमें जीवन प्रत्याशा निम्न, प्रौद्योगिकी का निम्न स्तर तथा अशिक्षित जनसंख्या रहती है है।
- इस अवस्था में लोग कृषि के कार्य में लगे रहते हैं।

कारण- महामारी
भोजन की आपूर्ति कम।
जीवन प्रत्याशा निम्न।
प्रौद्योगिकी निम्न
अशिक्षित जनसंख्या

द्वितीय अवस्था

- इस अवस्था के प्रारंभ में उच्च प्रजननशीलता अर्थात जन्म-दर ऊँची लेकिन समय के अनुसार घटती जाती है।
- स्वास्थ सम्बन्धी दशाओं व स्वच्छता में सुधार के कारण मृत्यु-दर में कमी आती है।
- इस अन्तर के कारण जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि होती है।

BR+ मृत्यु दर कमी



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तृतीय अवस्था

- इस अवस्था में जन्म-दर और मृत्यु-दर दोनों ही घट जाती है।
- जनसंख्या या तो स्थिर हो जाती है या मंद गति से बढ़ती है।
- इसमें जनसंख्या नगरीय व शिक्षित होती है।
- इसमें तकनीकी ज्ञान भी उच्च होता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

- परिवार नियोजन की सुविधाएँ
- थॉमस माल्थस के सिद्धान्त के अनुसार लोगों की संख्या खाद्य आपूर्ति की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ती है।
- जनसंख्या वृद्धि का परिणाम अकाल, बीमारी तथा युद्ध।

